अखिल भारतीय राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की नवीनतम प्रगति: सागर से समाज तक

18 & 19 दिसंबर 2025

स्थान: एनआईओटी, चेन्नई

द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान,

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार

समिति

संरक्षक	डॉ. एम. रविचंद्रन सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
	प्रो. बालाजी रामकृष्णन निदेशक, राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान
सलाहकार सदस्य	डॉ. बसंत कुमार जेना, वैज्ञानिक-जी डॉ. विजया रविचंद्रन, वैज्ञानिक-जी डॉ. रमेश सेतुरामन, वैज्ञानिक-जी डॉ. फणीकुमार एस वी एस, वैज्ञानिक-जी श्री गोपकुमार कुट्टीकृष्णन, वैज्ञानिक-जी डॉ. वेदाचलम एन, वैज्ञानिक-जी डॉ. राजू अब्राहम, वैज्ञानिक-जी श्री शंकर मणि, वैज्ञानिक-जी डॉ. वेंकटेशन जी, वैज्ञानिक-जी डॉ. धरणी गोपाल, वैज्ञानिक-जी डॉ एन आर रमेश, वैज्ञानिक-जी डॉ. पी मुत्तुवेल, वैज्ञानिक-जी श्री एस मुत्तुकृष्णा बाबू, वैज्ञानिक-जी
आयोजन सचिव	श्री शंकर रामसुब्रमण्यन, वरि.प्रशा.अधि डॉ. दिलीप कुमार झा, वैज्ञानिक-एफ
समन्वयक	सुश्री सोणिता एस. सराफ सुश्री नीतू

डॉ. दिलीप कुमार झा- वैज्ञानिक-एफ
श्रीमती अनीता रल्लन - उप निदेशक (ओएल), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
सुश्री रेवा शर्मा- उप निदेशक (ओएल) - सेवानिवृत्त
श्रीमती निधि वार्ष्णेय, वैज्ञानिक-ई
श्री प्रसाद दुधगांवकर, वैज्ञानिक-ई
श्री बीरेन पटनायक, वैज्ञानिक-ई
डॉ. बोलेम श्रीनिवास, वैज्ञानिक-ई
श्री जतिंदर पाल सिंह, वैज्ञानिक-डी
डॉ. पंकज वर्मा, वैज्ञानिक-डी
सुश्री सोणिता एस. सराफ, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
सुश्री नीतू, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी

राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान, चित्तेडू

इस केंद्र की स्थापना आंध्र प्रदेश राज्य के नेल्लोर जिले के चित्तेडु गाँव में स्थित राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) की अनुसंधान एवं परीक्षण सुविधा को सहयोग प्रदान करने के लिए की गई है। महासागर इंजीनियरिंग अनुसंधान को सहयोग प्रदान करने के लिए स्थापित इस केंद्र में जल गुणवत्ता, तलछट परिवहन और तरंग गतिकी के अध्ययन हेतु विशेष प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, जिनका उद्देश्य भारत के समुद्री संसाधनों के लिए स्वदेशी तकनीकों का विकास करना है। यह केंद्र परीक्षणों के लिए विभिन्न प्रकार के जल तक पहुँच प्रदान करने के लिए समर्पित है और इसमें परीक्षण जीवों के संवर्धन की सुविधाएँ भी शामिल हैं।

पंजीकरण शुल्क

पेशेवर (शिक्षक/वैज्ञानिक/शोधकर्ता)	500/-
छात्र	200/-

उप-विषय

- समुद्री संसाधनों का अन्वेषण एवं प्रौद्योगिकी विकास
- जलवायु परिवर्तन एवं पृथ्वी प्रणाली विज्ञान
- समुद्री पारिस्थितिकी एवं जैव-प्रौद्योगिकी
- महासागरीय प्रेक्षण, पूर्वानुमान एवं डिजिटल नवाचार
- तटीय एवं द्वीपीय क्षेत्रों का सतत विकास
- आपदा प्रबंधन एवं सामाजिक अनुप्रयोग

विस्तृत सारांश प्रस्तुति

विस्तृत सारांश भेजने की अंतिम तिथि **10.11.2025** होगी। सभी सारांशों की समीक्षा विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा की जाएगी और तत्तपश्चात मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए चयन किया जाएगा। कम से कम एक लेखक को आवश्यक पंजीकरण शुल्क देकर पंजीकरण कराना होगा, और केवल उन्हीं लोगों को सम्मेलन में भाग लेने की अनुमति होगी जिन्होंने सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराया है। उम्मीदवार, शुल्क का भुगतान कर अपना विवरण ईमेल (hindicell@niot.res.in) के माध्यम से भेज सकते हैं।

चयनित शोध लेखों को संस्थान की ई-पत्रिका 'समुद्रिका' में प्रकाशित किया जाएगा।

पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) की स्थापना नवंबर 1993 में भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी। एनआईओटी का मुख्य उद्देश्य भारतीय आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में निर्जीव और सजीव संसाधनों के दोहन से जुड़ी विभिन्न इंजीनियरिंग समस्याओं के समाधान हेतु विश्वसनीय स्वदेशी तकनीकों का विकास करना है। इस संस्थान द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप, वैज्ञानिक और तकनीकी विषयों पर हिंदी में एक संगोष्ठी आयोजित करने की योजना बनाई गई है। वैज्ञानिक और तकनीकी संवाद में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए यह संगोष्ठी और भी उपयोगी होगी। यह संगोष्ठी वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों को अखिल भारतीय स्तर पर हिंदी में शोधपत्र प्रस्तुत करने में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करेगी। इससे हिंदी के माध्यम से ज्ञान, शोध निष्कर्षों और नवाचारों का आदान-प्रदान भी सुगम होगा। एनआईओटी का यह कदम राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को भी सुदृढ़ करेगा।

अटल द्वीपीय समुद्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, श्री विजयपुरम

अटल द्वीपीय समुद्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (एकोस्टी), श्री विजयपुरम में स्थित एनआईओटी की एक प्रयोगशाला है। एकोस्टी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में समुद्र विज्ञान अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और क्षमता निर्माण के लिए एक प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। यह केंद्र जैव विविधता मूल्यांकन, तटीय संरक्षण और सतत संसाधन प्रबंधन सहित क्षेत्र की विशिष्ट समुद्री और तटीय चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित है। सहयोगी परियोजनाओं, क्षेत्रीय अध्ययनों और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से, एकोस्टी स्थानीय विकास और राष्ट्रीय समुद्री विज्ञान उद्देश्यों, दोनों का समर्थन करते हुए, नाजुक द्वीपीय पारिस्थितिकी प्रणालियों की वैज्ञानिक समझ और संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

संपर्क करें

निदेशक
राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान,
वेलच्चेरी तांबरम मेन रोड, पल्लिकरणै,
चेन्नई-600100 तमिलनाडु
दूरभाष : 044-66783308, 044-66783452, 044-66787458